स्नातक पाठ्यक्रम विवरणिका

बी0ए0 – साहित्यिक हिन्दी
व्यावहारिक हिन्दी

सत्र : 2009–10 से लागू

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग
मानविकी संकाय
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ
वाराणसी।

पाठ्यक्रम–वैकल्पिक विषय
साहित्यिक हिन्दी
बी0ए0 प्रथम वर्ष
प्रथम प्रश्न पत्र
प्राचीन काव्य

इस प्रश्नपत्र में अंकों का विभाजन इस प्रकार रहेगा–

3 व्याख्या – 3 X 10 = 30 अंक, 2 निबन्धात्मक प्रश्न – 2 X 20 = 40 अंक

5 लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 6 = 30 अंक, पूर्णांक : 100

पाठय–विषय :

मध्ययुगीन काव्य : डॉ0 सत्यनारायण सिंह

प्रकाशक–विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

1– संकलित कवि – कबीर, रैदास, मलिक मुहम्मद जायसी, सूरदास, गोस्वामी तुलसीदास, बिहारीलाल, घनानन्द, भूषण।

(क) रस अलंकार और छन्द : रस, अलंकार और छन्द पर निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेंगे–

1. रस और उसके अवयवों का सामान्य परिचय, रसों का वर्गीकरण–लक्षण एवं उदाहरण
2. (अ) शब्दालंकार–अनुप्रास (छेका, वृत्ति, लाटा), श्लेष, वक्रोक्ति।
   (ब) अर्थालंकार–उपमा, प्रतिवस्तूपमा, अनन्वय, प्रतीप, रूपक, उल्लेख, स्मरण, भ्रांतिमान, संदेह, अपह्नुति, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति दृष्टांत, व्यतिरेक, समासोक्ति, व्याजस्तुति, विरोधाभास, विभावना असंगति, मीलित।
3. छन्द (अ) मात्रिक चौपाई, रोला, गीतिका, हरिगीतिका, वीर (अर्द्धसम), बरवै, दोहा, सोरठा।
   (ब) वर्णवृत्त–इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, भुजंगप्रयात, बसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, मदाक्रांता, शार्दूलविक्रीडित, सवैया, कवित्त।

(ख) महाकाव्य, खण्ड काव्य, मुक्तककाव्य। रस, अलंकार, छन्द से दो तथा कवियों से तीन लघु उत्तरीय प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे। लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर तीन सौ शब्दों से अधिक न हो।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. त्रिवेणी – रामचन्द्र शुक्ल
2. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. बिहारी वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसार मिश्र
4. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह
5. भूषण का आचार्यत्व एवं कवित्व – डॉ0 अवधेश कुमार सिंह
6. काव्यांग कौमुदी – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

द्वितीय प्रश्न पत्र
आधुनिक गद्य साहित्य

इस प्रश्नपत्र में अंकों का विभाजन इस प्रकार रहेगा–

3 व्याख्या – 3 X 10 = 30 अंक, 2 निबन्धात्मक प्रश्न – 2 X 20 = 40 अंक

5 लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 6 = 30 अंक, पूर्णांक : 100

पाठ्यग्रंथ :

1. निबध नवनीत (परिवर्द्धित नवीन संस्करण) : सं0 डॉ0 सर्वजीत राय एवं डॉ0 श्रद्धानंद, अमृत प्रकाशन, ईश्वरगंगी, वाराणसी।

संकलित निबन्धकार : प्रताप नारायण मिश्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, पूर्ण सिंह, रामचन्द्र शुक्ल,

हजारी प्रसाद द्विवेदी, हरिशंकर परसाई, विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय, विवेकी राय।

2. निर्मला (उपन्यास) : प्रेमचन्द
3. अलग–अलग वैतरणी (उपन्यास) : डॉ0 शिवप्रसाद सिंह
4. ध्रुवस्वामिनी (नाटक) : जयशंकर 'प्रसाद',
5. गद्य रूप (सामान्य सैद्धान्तिक परिचय) : निबन्ध, नाटक, उपन्यास, कहानी।

(विविध गद्य रूपों से दो तथा पाठ्यक्रम से तीन लघु उत्तरीय प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे। लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर तीन सौ शब्दों से अधिक न हो।)

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	हिन्दी उपन्यास	–	डॉ0 शिवनारायण लाल
2.	हिन्दी गद्य शैली का विकास	–	डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
3.	हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद	–	डॉ0 त्रिभुवन सिंह
4.	हिन्दी उपन्यास शिल्प और प्रयोग	–	डॉ0 त्रिभुवन सिंह
5.	आधुनिक साहित्य निबन्ध	–	डॉ0 त्रिभुवन सिंह
6.	हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास	–	दशरथ ओझा
7.	हिन्दी नाटक	–	डॉ0 बच्चन सिंह
8.	प्रेमचन्द	–	रामविलास शर्मा
9.	काव्य के रूप	–	गुलाब राय

बी0ए0 द्वितीय वर्ष
साहित्यिक हिन्दी
प्रथम प्रश्न पत्र
आधुनिक काव्य

इस प्रश्नपत्र में अंकों का विभाजन इस प्रकार रहेगा–

3 व्याख्या – 3 X 10 = 30 अंक, 2 निबन्धात्मक प्रश्न – 2 X 20 = 40 अंक

5 लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 6 = 30 अंक, पूर्णांक : 100

पाठ्यग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी काव्य – सम्पादक : डॉ0 अवधेश कुमार सिंह, डॉ0 शिवकुमार मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।

संकलित कवि : मैथिली शरण गुप्त, जय शंकर 'प्रसाद', सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानन्दन पंत, महादेवी वर्मा,, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानन्द हीरानन्द, वात्स्यायन 'अज्ञेय', वैद्यनाथ मिश्र, 'नागार्जुन', सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'।

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	कमलाकान्त पाठक	–	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य
2.	रामेश्वर लाल खण्डेलवाल	–	जयशंकर प्रसाद : वस्तु और काव्य
3.	डॉ0 राम विलास शर्मा	–	निराला
4.	डॉ0 नगेन्द्र	–	सुमित्रानन्दन पंत
5.	डॉ0 प्रेमशंकर	–	स्वच्छन्दतावादी काव्य
6.	डॉ0 नामवर सिंह	–	आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

7.	डॉ0 युगेश्वर	–	प्रसाद काव्य का नया मूल्यांकन
8.	डॉ0 शम्भूनाथ सिंह	–	छायावाद युग

द्वितीय प्रश्न पत्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास

इस प्रश्नपत्र में अंकों का विभाजन इस प्रकार रहेगा–
निबन्धात्मक प्रश्न – 4 X 20 = 80 अंक
4 लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 X 5 = 20 अंक, पूर्णांक : 100

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन, सीमा और नामकरण (प्रमुख विद्वानों के मत)।
2. आदिकाल की प्रमुख रचनाएँ और प्रवृत्तियाँ।
3. भक्ति आन्दोलन के कारण तथा भक्ति का उदभव और विकास।
4. भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराओं की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
5. भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।
6. रीतिकाल का नामकरण, विभिन्न धाराएँ तथा प्रवृत्तियाँ।
7. श्रृंगारेतर काव्य प्रवृत्तियाँ–नीति काव्य, भक्ति काव्य तथा वीर काव्य की प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय।
8. आधुनिक काल (कविता)–(क) भारतेन्दुयुगीन काव्य प्रवृत्तियाँ (ख) द्विवेदीयुगीन काव्य और उसकी प्रवृत्तियाँ, (ग) छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा नयी कविता : स्वरूप और प्रवृत्तियाँ।
9. आधुनिक हिन्दी (गद्य) की विभिन्न विधाओं (निबन्ध, नाटक, एकांकी, कहानी, उपन्यास, आलोचना) का विकासात्मक परिचय।

सहायक ग्रंथ :

1.	पं0 रामचन्द्र शुक्ल	–	हिन्दी साहित्य का इतिहास
2.	डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय	–	हिन्दी साहित्य का इतिहास
3.	डॉ0 रामकुमार वर्मा	–	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
4.	डॉ0 वासुदेव सिंह	–	हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास
5.	डॉ0 त्रिभुवन सिंह	–	हिन्दी साहित्य : एक परिचय
6.	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी	–	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास
7.	डॉ0 रामचन्द्र तिवारी	–	हिन्दी का गद्य साहित्य
8.	डॉ0 बच्चन सिंह	–	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास।

बी0ए0 तृतीय वर्ष
साहित्यिक हिन्दी
प्रथम प्रश्न पत्र
साहित्य सिद्धान्त और आलोचना

अंक–विभाजन : 4 निबन्धात्मक प्रश्न – 4 X 20 = 80 अंक (तीन प्रश्न साहित्य–सिद्धान्त तथा एक प्रश्न हिन्दी–आलोचना से करना अनिवार्य होगा।) 4 लघुउत्तरीय प्रश्न – 4 X 5 = 20 अंक, पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड

1. भारतीय साहित्य सिद्धान्त
   - (क) काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन
   - (ख) शब्द–शक्ति–अभिधा, लक्षणा तथा व्यंजना का लक्षण–उदाहरण सहित सामान्य परिचय।
   - (ग) काव्य–गुण–माधुर्य, ओज तथा प्रसाद।
   - (घ) काव्य–दोष–श्रुतिकटु, च्युतसंस्कृति, क्लिष्ट, ग्राम्य, न्यूनपद, अधिकपद, दुष्क्रम, स्वशब्द, वाच्य, पुनरूक्ति तथा अश्लील।

(ङ) रस, अलंकार तथा ध्वनि सम्प्रदाय का सामान्य परिचय।

2. पाश्चात्य साहित्य–सिद्धान्त–
   (अ) प्लेटो की काव्य सम्बन्धी मान्यता।
   (ब) अरस्तू का अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त।
   (स) मार्क्सवादी समीक्षा पद्धति।
   (द) शास्त्रवाद और स्वच्छन्दतावाद।

सहायक ग्रंथ :

1.	भारतीय साहित्य शास्त्रकोश	–	डॉ0 राजवंश सहाय, हीरा
2.	भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका	–	डॉ0 नगेन्द्र
3.	भारतीय काव्यशास्त्र की नयी व्याख्या	–	डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी
4.	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त	–	डॉ0 जगदीश प्रसाद मिश्र
5.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	–	डॉ0 रामपूजन तिवारी

द्वितीय खण्ड

हिन्दी आलोचना

1. आलोचना : स्वरूप एवं प्रकार।
2. आलोचक के प्रमुख गुण।
3. हिन्दी के प्रमुख आलोचकगण
   (क) आचार्य पं0 रामचन्द्र शुक्ल।
   (ख) आचार्य पं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी।
   (ग) पं0 नन्ददुलारे वाजपेयी।
   (घ) डॉ0 रामविलास शर्मा।

सहायक ग्रंथ :

1.	आलोचक और आलोचना	–	डॉ0 बच्चन सिंह
2.	रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना	–	डॉ0 रामविलास शर्मा
3.	हिन्दी प्रत्यालोचना का उदभव और विकास	–	डॉ0 रामस्वारथ ठाकुर
4.	हिन्दी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ	–	डॉ0 रामदरश मिश्र
5.	हिन्दी में ऐतिहासिक आलोचना (विकास और परम्परा)	–	डॉ0 विजया त्रिपाठी
6.	समीक्षा के मानदण्ड और हिन्दी समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ	–	डॉ0 प्रताप नारायण टण्डन
7.	हिन्दी आलोचना की आधुनिक प्रवृत्तियाँ और उन पर पाश्चात्य प्रभाव	–	डॉ0 शंकर लाल गुप्ता
8.	शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना (नव्य हिन्दी समीक्षा)	–	डॉ0 कृष्णवल्लभ जोशी
9.	शुक्लोत्तर काव्य–चिन्तन	–	डॉ0 श्यामबिहारी राय
10.	शुक्लपूर्व आधुनिक हिन्दी आलोचना	–	डॉ0 मंगला प्रसाद सिंह
11.	आधुनिक हिन्दी आलोचना	–	डॉ0 मक्खनलाल शर्मा
12.	आधुनिक हिन्दी साहित्य में आलोचना का विकास	–	डॉ0 वेंकट शर्मा
13.	आधुनिक हिन्दी साहित्य में आलोचना का विकास	–	डॉ0 रामकिशोर कक्कड़
14.	आधुनिक हिदी आलोचना	–	डॉ0 हरिमोहन मिश्र
15.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के साहित्य सिद्धान्त	–	डॉ0 रामकृपाल पाण्डेय
16.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के समीक्षा सिद्धान्त	–	डॉ0 रामलाल सिंह
17.	नगेन्द्र की सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक समीक्षा	–	एस0 लक्ष्मी
18.	पं0 महावीर प्रसाद द्विवेदी का समीक्षा साहित्य	–	रामशंकर शर्मा

द्वितीय प्रश्न–पत्र
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

अंक–विभाजन, पूर्णांक : 100, 4 निबन्धात्मक प्रश्न – 4 X 20 = 80 अंक
4 लघुत्तरीय प्रश्न – 4 X 5 = 20 अंक,

पाठ्य–विषय :

1. भाषा विज्ञान : सामान्य परिचय (क) भाषा विज्ञान के अंग, (ख) विषय–क्षेत्र, (ग) अध्ययन की पद्धतियाँ।
2. भाषा : (क) भाषा का स्वरूप, (ख) भाषा की उत्पत्ति, (ग) भाषा की प्रवृत्ति एवं विशेषताएँ, (घ) भाषा, विभाषा और बोली।
3. ध्वनि विज्ञान : (क) हिन्दी ध्वनियों का सामान्य परिचय, (ख) ध्वनि–परिवर्तन की दिशाएँ।
4. रूप विज्ञान : अर्थतत्व तथा सम्बन्धतत्व का परिचय, प्रकार और संयोग।
5. अर्थविज्ञान : सामान्य परिचय : (क) अर्थ का तात्पर्य और महत्त्व, (ख) शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, (ग) अर्थ–परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण।
6. भारतीय आर्य भाषा परिवार : प्राचीन मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय आर्यभाषा का सामान्य परिचय।
7. हिन्दी : (क) हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति, (ख) हिन्दी का क्षेत्र–विस्तार, (ग) हिन्दी भाषा का विकास (सामान्य परिचय)।
8. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ : खड़ी बोली, ब्रज, अवधी तथा भोजपुरी का सामान्य परिचय।
9. हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्कभाषा।
10. हिन्दी–शब्द–भण्डार : तत्सम, तदभव, देशज तथा आगत शब्द।
11. देवनागरी लिपि : (क) उद्भव और विकास, (ख) गुण–दोष, (ग) सुधार के प्रयत्न।

सहायक ग्रंथ :

1.	भाषा विज्ञान	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
2.	हिन्दी भाषा	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
3.	भाषा विज्ञान की भूमिका	–	डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
4.	भाषाशास्त्र की रूपरेखा	–	डॉ0 उदयनारायण तिवारी
5.	हिन्दी भाषा और नागरी लिपि	–	डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
6.	सामान्य भाषा विज्ञान	–	डॉ0 बाबूराम सक्सेना
7.	भाषा विज्ञान	–	डॉ0 कर्ण सिंह
8.	भाषा विज्ञान व हिन्दी भाषा की भूमिका	–	डॉ0 त्रिलोचन पाण्डेय

तृतीय प्रश्न–पत्र
उपन्यास, कहानी, एकांकी तथा अन्य लघु गद्य विद्याएँ

अंक विभाजन – 3 व्याख्या – 3 X 10 = 30 अंक, 2 निबन्धात्मक प्रश्न – 2 X 20 = 40 अंक
5 लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 6 = 30 अंक, पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. लोक ऋण (उपन्यास) – विवेकी राय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।
2. हिन्दी कहानी – सं0 डॉ0 उर्मिला मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
   संकलित कहानीकार : प्रेमचन्द, जय शंकर 'प्रसाद', सच्चिदानन्द, हीरानन्द, वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश, कमलेश्वर, राजेन्द्र यादव, शिवप्रसाद सिंह, निर्मल वर्मा, सूर्यबाला, ओमप्रकाश वाल्मीकि।
3. एकांकी धारा – सं0 डॉ0 लक्ष्मीशंकर गुप्त, अमृत प्रकाशन, वाराणसी।
   संकजित एकांकीकार : रामकुमार वर्मा, भुवनेश्वर, उपेन्द्रनाथ अश्क, हरिकृष्ण प्रेमी, जगदीशचन्द माथुर, विष्णु प्रभाकर, भारत भूषण अग्रवाल, धर्मवीर भारती।
4. विविधा (नवीन संस्करण) – सं0 डॉ0 श्रद्धानन्द, अमृत प्रकाशन, वाराणसी।
   संकलित विधाएँ : रेखा चित्र (महादेवी वर्मा) रिपोर्ताज (रांगेय राघव), जीवनी (विष्णु प्रभाकर), आत्म कथा (हरिवंश राय बच्चन), संस्मरण (बनारसी दास चतुर्वेदी)। यात्रा वृत्त (सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्सायन अज्ञेय)।

सहायक ग्रंथ :

1.	नयी कहानी की भूमिका	–	कमलेश्वर
2.	नयी कहानी : संदर्भ और प्रवृत्ति	–	देवीशंकर अवस्थी
3.	हिन्दी कहानी	–	राजेन्द्र यादव
4.	हिन्दी रेखाचित्र	–	माखन लाल शर्मा
5.	हिन्दी जीवनी साहित्य : स्वरूप और विकास	–	भगवानदास महाजन

6.	हिन्दी में आत्मकथा साहित्य	–	एन0डी0 वर्मा
7.	हिन्दी का संस्मरण साहित्य	–	के0एस0 सहाय
8.	हिन्दी साहित्य में आत्मकथा	–	सरोज जोगी
9.	यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास	–	एस0एम0 माथुर

पाठ्यक्रम–व्यावहारिक हिन्दी

बी0ए0 प्रथम वर्ष

प्रत्येक प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है–लिखित एवं प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य। प्रत्येक प्रश्नपत्र में लिखित परीक्षा 75 अंक तथा प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य तथा मौखिकी 25 अंक के होंगे।

प्रथम प्रश्न–पत्र

राजभाषा हिन्दी : स्वरूप और नीति

पूर्णांक–75 अंक

(क) हिन्दी का स्वरूप एवं क्षेत्र–विस्तार, हिन्दी की व्युत्पत्ति, उदभव एवं विकास, क्षेत्र, हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ–खड़ी बोली, ब्रज, अवधी, भोजपुरी। (2X15=30 अंक)

(ख) राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा एवं राजभाषा का स्वरूपगत सामान्य परिचय। (1X15=15 अंक)

(ग) भारत सरकार की राजभाषा नीति–हिन्दी को लागू किये जाने की संवैधानिक व्यवस्था–अनुच्छेद 343 से 351 तक, राजभाषा अधिनियम 1963 तथा उसके पश्चात् बनाये गये नियम, राष्ट्रपति के आदेश 1960, 1968 का राजभाषा सम्बन्धी प्रस्ताव, हिन्दी प्रशिक्षण प्रोत्साहन–राजभाषा क्रियान्वयन समिति द्वारा निर्धारित वार्षिक एवं समयबद्ध कार्यक्रम (गृह मंत्रालय द्वारा विनिश्चित)।

(2X15=30 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1.	हिन्दी भाषा का विकास	–	धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
2.	हिन्दी भाषा	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी, प्र0 किताब महल, इलाहाबाद।
3.	सरकारी कामकाज में हिन्दी	–	रामविनायक सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, पिशाचमोचन, वाराणसी।
4.	हिन्दी हम सबकी	–	शिवसागर मिश्र, प्रभात प्रकाशन, चावड़ी, बाजार, नयी दिल्ली।
5.	सम्पर्क भाषा	–	सं0 भोलानाथ तिवारी, कमल सिंह, प्रभात प्रकाशन, चावड़ी बाजार, दिल्ली–6.
6.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	–	रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।
7.	राजभाषा हिन्दी	–	डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
8.	सामाजिक प्रशासनिक कार्य–विधि	–	गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामयिक प्रकाशन, 3543, जखाड़ा, दरियागंज, नई दिल्ली।
9.	हिन्दी : उदभव–विकास	–	डॉ0 हरदेव बाहरी

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य **अंक–25**

छात्र राष्ट्रीयकृत बैंकों, सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों और कम्पनियों में से किसी एक संस्था द्वारा हिन्दी के प्रयोग की स्थिति एवं आवश्यकताओं पर आलेख प्रस्तुत करेंगे। संदर्भित आलेख पर मौखिकी होगी।

द्वितीय प्रश्न–पत्र

व्यावहारिक एवं संवादात्मक हिन्दी

पूर्णांक–75 अंक (5X15=75 अंक)

हिन्दी भाषा का स्वरूप–अंग्रेजी की तुलना में हिन्दी के वाक्य रचना सम्बन्धी नियम–प्रयोग, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग एवं परसर्ग ('ने' तथा अन्य परसर्गों के विशेष सन्दर्भ में), स्वर विज्ञान–अक्षर, हिन्दी संवाद में अनुदान, बलाघात एवं लय। विभिन्न स्थितियों में हिन्दी संवाद।

सहायक ग्रंथ :

1.	हिन्दी भाषा	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
2.	भाषा विज्ञान	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
3.	भाषा की रूपरेखा	–	डॉ0 उदयनारायण तिवारी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
4.	मानक हिन्दी का प्रारूप	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
5.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	–	डॉ0 दंगल झाल्टे, विद्या विहार, दरियागंज, नई दिल्ली।
6.	हिन्दी व्याकरण की सरल पद्धति	–	डॉ0 बदरीनाथ कपूर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7.	ध्वनि विज्ञान	–	डॉ0 गोलोक बिहारी धल, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना।
8.	व्यावहारिक हिन्दी शुद्ध प्रयोग	– दिल्ली।	डॉ0 ओमप्रकाश, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट,
9.	शब्द परिवार कोश	–	डॉ0 बदरीनाथ कपूर, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य **अंक–25**

1. शिक्षण कक्ष में वाक्य रचना, वर्तनी तथा सामान्य त्रुटियों के संशोधन की व्यावहारिक परीक्षा होगी। अंक–10.
2. विभिन्न निर्धारित स्थानों में से किसी एक स्थान पर जाकर हिन्दी की संवादात्मक स्थिति का अध्ययन कर छात्र प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे तथा उनकी तद्विषयक मौखिकी सम्पन्न होगी। अंक–15.

पाठ्यक्रम–व्यावहारिक हिन्दी

बी0ए0 द्वितीय वर्ष

प्रत्येक प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है–लिखित एवं प्रायोगिक निर्दिट कार्य। प्रत्येक प्रश्नपत्र में लिखित परीक्षा 75 अंक तथा प्रयोगिक निर्दिष्ट कार्य तथा मौखिकी 25 अंक के होंगे।

प्रथम प्रश्न–पत्र

अनुवाद एवं टिप्पण प्रारूपण

पूर्णांक–75 अंक

(क) अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली और वाक्यांश (फेज) (2X15=30 अंक)

अनुवाद–अवधारणा, स्वरूप, प्रकार (पूर्ण अनुवाद एवं सार अनुवाद), क्षेत्र, ओ0एल0एक्ट (सामान्य आदेश) के धारा–3 के अन्तर्गत आने वाले दस्तावेजों का द्विभाषीकरण, शासकीय पत्रों का अनुवाद, स्मृतिपत्र प्राप्ति की सूचना–प्रतिवेदन, कार्य–सूची, कार्यवृत्त–बैठकों की कार्यवाही।

मंत्रालयों, उद्यमों, बैंकों, निगमों और कम्पनियों, अधिकारियों, रेलवे, विमान सेवा, विधिक आदि क्षेत्रों में सामान्यतः प्रयुक्त शब्दों का अध्ययन तथा उनके प्रयोग, शब्दों तथा वाक्यों की रचना के नियम।

(ख) टिप्पण प्रारूपण (3X15=45 अंक)

टिप्पण में प्रयुक्त भाषा और शैली, क्रेस हिस्ट्री, संदर्भो के संदर्भ, केस की तैयारी, निष्कर्ष पर पहुंचना और क्रियान्वयन के लिए प्रस्ताव, टिप्पणी की विशेषताएँ और उनके लिए आवश्यक औपचारिकताएँ।

प्रारूपण के प्रकार, प्रारूपण में प्रयुक्त होने वाली भाषा–शैली, विभिन्न कार्यालयों (मुख्यालयों, क्षेत्रीय कार्यालय आदि) एवं सरकारी अधिकारियों (कनिष्ठ–वरिष्ठ) को सम्बोधित करते समय की जाने वाली औपचारिकताएँ।

पत्रावली एवं दस्तावेज के रखने की पद्धति।

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद कला : सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला, प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।
2. अनुवाद : भाषाएँ–समस्याएँ – एन0ई0 विश्वनाथ अय्यर, ज्ञानगंगा, दिल्ली।
3. अनुवाद : सिद्धान्त की रूपरेखा – डॉ0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, वाराणसी।
4. प्रालेखन प्रारूप – शिवनारायण चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. हिन्दी में सरकारी कामकाज – रामविनायक सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
6. प्रशासनिक हिन्दी प्रारूपण और पत्र लेखन – डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ0 दंगल झाल्टे, विद्या विहार, दरियागंज, नई दिल्ली।
8. हिन्दी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
9. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त और प्रायोगिक संदर्भ – डॉ0 राजमणि शर्मा, संजय बुक सेण्टर, गोलघर, वाराणसी।
10. प्रामाणिक आलेखन एवं टिप्पणी – प्रो0 विराज, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य **अंक–25**

1. पाठ्यक्रम के अनुरूप शिक्षण कक्ष में छात्रों को अनुवाद का कार्य दिया जायेगा जिसका मूल्यांकन 5 अंकों में होगा।
2. छात्रों को अध्यापक द्वारा सुनिश्चित किये गये किसी एक क्षेत्र से सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दावली तैयार करना जिसका मूल्यांकन 10 अंकों में होगा।
3. छात्रों को अध्यापक द्वारा शिक्षण कक्ष में टिप्पण एवं प्रारूपण कार्य की सामग्री प्रदान कर मूल्यांकन किया जायेगा जिसका मूल्यांकन 10 अंकों में होगा।

द्वितीय प्रश्न–पत्र
शासकीय एवं व्यावसायिक पत्राचार

पूर्णांक–75 अंक

(क) पत्राचार के प्रकार–मूल पत्र, जवाबी पत्र, पत्र प्राप्ति की सूचना, स्मृति पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, ज्ञापन पत्र, परिपत्र, आदेश पत्र, पृष्ठांकन एवं अन्तर्विभागीय टिप्पणी, मानक प्रारूप, निविदा एवं सूचनाएँ, पद रिक्ति, विज्ञापन, प्रेस विज्ञाप्ति एवं रिपोर्ट। (2X15=30 अंक)

(ख) वाणिज्य एवं व्यवसाय सम्बन्धी पत्राचार का स्वरूप, शासकीय, वाणिज्यिक एवं व्यावसायिक पत्राचार में अन्तर, आदेश, कोटेशन, बीजक, बिल, रसीद सम्बन्धी पत्र, आदेश देने, संज्ञापन और भुगतान, शिकायत निवारण, दावा सम्बन्धी निपटारे के पत्र, बैंकों के कार्य संबंधी सम्पादन के पत्र, बीमा सम्बन्धी पत्र, वाणिज्य एवं व्यावसायिक पत्रों की शब्दावली। (2X15=30 अंक)

(ग) विज्ञापन कला एवं विज्ञापन लेखन क्षेत्र का महत्व, अभिव्यक्ति को प्रभावी बनाने वाले उपयुक्त विशेषण और भाषा, सफल विज्ञापन लेखक के गुण। (1X15=15अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी में सरकारी कामकाज – रामविनायक सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
2. बैंकों में हिन्दी प्रचार – डॉ0 दंगल झाल्टे, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिन्दी हम सबकी – शिवसागर मिश्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. राजभाषा हिन्दी अंग्रेजी शब्द–कोश – डॉ0 नारायण दत्त पालिवाल, तक्षशिलां प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी – रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. बृहद परिभाषिक शब्दावली खण्ड–1,2 – वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (शिक्षा एवं संस्कृति मंत्रालय), भारत सरकार।

7. वाणिज्य शब्दावली – वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (शिक्षा एवं संस्कृति मंत्रालय), भारत सरकार।
8. व्यावसायिक हिन्दी – डॉ0 दिलीप सिंह, संजय बुक सेण्टर, गोलघर, वाराणसी।
9. व्यावसायिक सम्प्रेषण – अनूपचन्द पु0 माखाणी, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली–6.

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य **अंक–25**

निर्धारित विषय पर छात्र निविदा, प्रेस विज्ञप्ति, शासकीय पत्र, व्यावसायिक पत्र तथा विज्ञापन की सामग्री तैयार करेंगे। प्रत्येक का मूल्यांकन पाँच–पाँच अंकों में होगा।

पाठ्यक्रम–व्यावहारिक हिन्दी

बी0ए0 तृतीय वर्ष

कुल तीन प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है–लिखित एवं प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य। प्रत्येक प्रश्नपत्र में लिखित परीक्षा 75 अंक तथा प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य 25 अंक के होंगे।

प्रथम प्रश्न–पत्र
आधुनिक संचार–माध्यम का सामान्य परिचय

कुल पाँच प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 15–15 अंक के होंगे।

1. संचार की अवधारणा एवं प्रक्रिया, संचार का महत्व एवं प्रकार, आधुनिक संचार–माध्यम के प्रकार।
2. प्रेस विज्ञप्ति, प्रेस प्रकाशनी एवं प्रेस नोट का स्वरूप एवं प्रकार, प्रेस विज्ञप्ति एवं प्रेस प्रकाशनी में अन्तर।
3. प्रेस रिपोर्ट का स्वरूप, उत्तम प्रेस रिपोर्ट के गुण, प्रेस रिपोर्ट के स्रोत एवं प्रकार, प्रेस सम्बन्धित वैधानिक प्रावधान (कापी राइट, मानहानि)।
4. समाचार का स्वरूप एवं संरचना : आमुख, शीर्षक एवं शेष रचना, समाचार लेखन के गुण एवं बरती जाने वाली सावधानियाँ।
5. रेडियो, टेलीविजन एवं फिल्म का भारत में विकास एवं महत्व।

सहायक ग्रंथ :

1. जनमाध्यम : सम्प्रेषण एवं विकास – देवेन्द्र इस्सर, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, कृष्णनगर, नई दिल्ली।
2. दृश्य–श्रव्य सम्प्रेषण और पत्रकारिता – डॉ0 जेम्स एस0 मूर्ति, भारतीय भाषापीठ, नई दिल्ली।
3. पत्रकारिता के विविध संदर्भ – डॉ0 वंशीधरलाल, अनुपम प्रकाशन, पटना।
4. समाचार संकलन और लेखन – नन्दकिशोर त्रिखा, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
5. प्रेस विधि – नन्दकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य **अंक – 25**

शिक्षण कक्ष में प्रेस विज्ञप्ति, प्रेस प्रकाशनी का निर्माण, समाचार तैयार करना, समाचार पढ़ने का अभ्यास, मौखिकी।

द्वितीय प्रश्नपत्र
द्विभाषिया–प्रविधि, पारिभाषिक शब्दावली एवं उद्यमिता विकास

प्रश्नपत्र तीन इकाइयों में होंगे। प्रथम इकाई से 15–15 अंक के दो प्रश्न, द्वितीय इकाई से 15 अंक का एक प्रश्न तथा तृतीय इकाई से 15–15 अंक के दो प्रश्न करने होंगे।

इकाई–प्रथम

द्विभाषिया प्रविधि–अवधारणा, क्षेत्र, महत्व। दुभाषिया के गुण और दायित्व। दुभाषिया एवं अनुवादक में अन्तर। संक्षेपण और स्पष्टीकरण। तत्काल अनुवाद। सम्पादन। बैठकों, परिचर्चाओं की दुभाषिया प्रविधि। वक्तव्य सार और व्याख्यानों का संक्षेप।

इकाई–द्वितीय

पारिभाषिक शब्दावली–परिभाषिक शब्द से अभिप्राय, पारिभाषिक शब्द का महत्व एवं भेद। पारिभाषिक शब्द के लिए अपेक्षित गुण।

इकाई–तृतीय

उद्यमी की परिभाषा, उद्यमी के आवश्यक गुण, उद्यमी के कार्य, उद्यमी का महत्व। उद्यमिता के प्रकार, उद्यमिता का क्षेत्र, उद्यमिता के कार्य, उद्यमिता का महत्व, उद्यमिता विकास कार्यक्रम की आवश्यकता, उद्यमिता विकास कार्यक्रम का उद्देश्य।

सहायक ग्रंथ :

1.	अनुवाद विज्ञान	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, नई दिल्ली।
2.	अनुवादः सिद्धान्त और प्रयोग	–	जी0 गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3.	अनुवाद विज्ञान	–	डॉ0 राजमणि शर्मा, संजय बुक सेण्टर, गोलघर, वाराणसी।
4.	उद्यमिता विकास	–	डॉ0 राकेशचन्द्र शर्मा, डॉ माता बदल शुक्ल, गंगासरन एण्ड संस, वाराणसी।

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य **अंक – 25**

शिक्षण कक्ष में अनुवाद सम्बन्धी कार्य, पारिभाषिक शब्दावली का चयन, मौखिकी।

तृतीय प्रश्न–पत्र
टंकण, सूचना संजाल एवं कम्प्यूटर का सामान्य परिचय

प्रश्नपत्र तीन इकाइयों में होंगे। प्रथम इकाई से 15–15 अंक के दो प्रश्न, द्वितीय इकाई से 15 अंक का एक प्रश्न तथा तृतीय इकाई से 15–15 अंक के दो प्रश्न करने होंगे।

इकाई–प्रथम

टंकण कल (टाइपराइटर का इतिहास), टंकण कल की देखभाल–टंकण कार्य करने के पूर्व एवं पश्चात, टंकण विधियाँ–दृश टंकण विधि एवं स्पर्श टंकण विधि, कुछ महत्वपूर्ण अनुदेश–अन्तर (स्पेस) छोड़ना, हाशिया छोड़ना, शीर्षक टाइप करना, स्टैंसिल काटना, अशुद्धियाँ सुधारना, टंकण करते समय की जाने वाली सावधानियाँ, टंकण का महत्त्व।

इकाई–द्वितीय

सूचना संजाल–सूचना संजाल–परिभाषा एवं प्रकार, सूचना संजाल माध्यम–टेलेक्स, वायरलेस, माइक्रोवेव, फैक्स, ई–मेल, महत्त्वपूर्ण सूचना संजालों का संक्षिप्त परिचय–NET, ERNET, NICNET INTERNET.

इकाई–तृतीय

कम्प्यूटर–परिचय, इतिहास, विशेषता, उपयोग, क्षेत्र। कम्प्यूटर की पीढ़ियाँ, कम्प्यूटर के प्रकार, कम्प्यूटर की संरचना –वस्तुदर्शक (विजुअल डिस्प्ले यूनिट), केन्द्रीय क्रिया–कलाप केन्द्र (सेण्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट), कुंजी पटल (की बोर्ड), स्मृति के प्रकार–रोम, रैम, प्रोग्रामेबल, इरेशबल प्रोम।

संकलनकर्त्ता (कम्पाइलर) व्याख्याकारी (इण्टर प्रेटर), चुम्बकीय टेप, चुम्बकीय डिस्क, डिवेंचर डिस, फलापी डिस्क।

कम्प्यूटर की भाषा–निम्नस्तरीय भाषा, उच्चस्तरीय भाषा, मशीन भाषा, प्रोग्रामिंग का परिचय, कम्प्यूटर की कार्य–प्रणाली।

सहायक ग्रंथ :

1. कम्प्यूटर प्रवेशिका – अरूण कुमार अग्रवाल, एस0 कृष्णमूर्ति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. बेसिक प्रोग्रामिंग – ओम प्रकाश मौर्या, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. टाइपराइटिंग : थ्योरी एण्ड प्रैक्टिस – आर0सी0 भाटिया, स्टलिंग पब्लिशर्स प्रा0लि0, नई दिल्ली।
4. मानक टंकण कला – ओंकारनाथ वर्मा, उपकार प्रकाशन, आगरा।

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य

शिक्षण कक्ष में टाइपराइटिंग एवं कम्प्यूटर पर अभ्यास एवं टेस्ट, मौखिकी

◆◆◆